



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 19 मई, 2026

जारी करने का समय: 1350 घंटे

विषय: (i) इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है।
(ii) इस सप्ताह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तथा 21 से 25 मई, 2026 के दौरान उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्वी भारत में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

❖ **दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (परिशिष्ट I):**

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा $6^{\circ}\text{N}/70^{\circ}\text{E}$, $6^{\circ}\text{N}/75^{\circ}\text{E}$, $7^{\circ}\text{N}/80^{\circ}\text{E}$, $9^{\circ}\text{N}/85^{\circ}\text{E}$, $12^{\circ}\text{N}/90^{\circ}\text{E}$, $14^{\circ}\text{N}/93^{\circ}\text{E}$, $16^{\circ}\text{N}/96^{\circ}\text{E}$ और $17.5^{\circ}\text{N}/98^{\circ}\text{E}$ से होकर गुजरती रहेगी।
- ❖ अगले 3-4 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के शेष भागों और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।
- ❖ मॉडल त्रुटि ± 4 दिनों के साथ, दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई को केरल में आगमन की संभावना है।

आज, 19 मई, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ तमिलनाडु में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और लक्षद्वीप में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ ओडिशा में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ बिहार, झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में 50-85 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश हुई, जबकि मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, असम, हरियाणा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू से भीषण लू की स्थिति बनी रही; मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में भी लू की स्थिति रही। जम्मू डिवीजन, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ छिटपुट इलाकों में।
- ❖ विदर्भ के कुछ छिटपुट स्थानों पर रात में गर्म मौसम रहा।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान (18-05-2026 तक): कल, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, मध्य, पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान 38-47 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस बांदा (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान में अंतर (18-05-2026 तक) जम्मू-कश्मीर में सामान्य से काफी अधिक (5.1 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक) था; हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में सामान्य से

काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) था; उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, उत्तरी छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सामान्य से अधिक (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) था और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या लगभग सामान्य था।

- ❖ पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, विदर्भ में कुछ स्थानों पर रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान (19-05-2026 तक) सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) था; पंजाब में कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, झारखंड, कोंकण और गोवा, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, तेलंगाना, उत्तराखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था। असम और मेघालय, छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र, केरल और माहे, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, सौराष्ट्र और कच्छ, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट स्थानों पर और देश के शेष हिस्सों में सामान्य से नीचे या सामान्य के करीब।।

मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान और चेतावनी (परिशिष्ट II और III):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में चक्रवाती परिसंचरण के रूप में स्थित है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त है। यह लगभग 72° पूर्व देशांतर के अनुदिश 31° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है, और इस चक्रवाती परिसंचरण से मणिपुर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त फैली हुई है।
- ❖ एक अन्य गर्त पूर्वी उत्तर प्रदेश से लक्षद्वीप क्षेत्र तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में फैली हुई है।
- ❖ मध्य असम के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी अरब सागर और उससे सटे दक्षिणी लक्षद्वीप क्षेत्र से लेकर दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण तक निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त (ट्रफ) फैला हुआ है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ पूर्वोत्तर भारत में 21 मई तक छिटपुट से लेकर मध्यम हल्की से लेकर छिटपुट बारिश की संभावना है, जो 22 से 25 मई के दौरान बढ़कर व्यापक से लेकर व्यापक हल्की से लेकर मध्यम बारिश में बदल सकती है।
- ❖ 21 से 25 मई के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 22 से 25 मई के दौरान भारी बारिश की संभावना है, जबकि अरुणाचल प्रदेश में 23 और 24 मई को और असम और मेघालय में 23 से 25 मई के दौरान छिटपुट बहुत भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ केरल, माहे और लक्षद्वीप में 19 से 25 मई के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) के साथ व्यापक से लेकर व्यापक हल्की से लेकर मध्यम बारिश की संभावना है, और इसी अवधि के दौरान शेष उपमंडलों में छिटपुट से लेकर छिटपुट बारिश की संभावना है।
- ❖ 19 मई को आंतरिक कर्नाटक में, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 19 से 23 मई के दौरान 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंकों के साथ आंधी (तूफान) आने की संभावना है।

- ❖ 19 से 21 मई के दौरान तमिलनाडु, केरल और माहे में, 19 और 20 मई को लक्षद्वीप में और 19 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 19 से 25 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, और 19 से 23 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 19 से 23 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में, 19 से 25 मई के दौरान बिहार में, और 20 से 25 मई के दौरान झारखंड में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 19 और 20 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 19, 20 और 23 मई को बिहार में, 20 और 23 मई को झारखंड में, और 19 से 21 मई के दौरान ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 19 से 25 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है; 21 से 25 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी वर्षा होगी, साथ ही 22 और 23 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 19 से 22 मई के दौरान जम्मू-कश्मीर में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की हल्की से लेकर व्यापक वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है; 19, 22 और 23 मई को उत्तराखंड में और 21 और 22 मई को हिमाचल प्रदेश में छिटपुट हल्की से लेकर मध्यम वर्षा की संभावना है।
- ❖ 19 और 21 मई को जम्मू-कश्मीर में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- ❖ 19 से 25 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में तेज सतही हवाएं (गति 20-30 किमी प्रति घंटा और झोंके के साथ 40 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 19 मई को विदर्भ और छत्तीसगढ़ में छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 19 और 20 मई को कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में 19 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है और 20 से 25 मई के दौरान इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 25 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।

लू, उमस और गर्मी तथा गर्म रात्रि स्थितियों की चेतावनी:

- ❖ 19 से 25 मई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू चलने की प्रबल संभावना है; 19 से 21 मई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और विदर्भ में भी यही स्थिति रहेगी; 22 से 25 मई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 19 से 25 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, और 19 और 20 मई को कुछ इलाकों में भीषण लू की स्थिति रहेगी।

- ❖ 19 से 25 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, और 21 और 22 मई को कुछ इलाकों में भीषण लू की स्थिति रहेगी।
- ❖ 19 और 20 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है। उत्तराखंड में 19 से 21 मई तक; राजस्थान में 19 से 25 मई तक; छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में 19 से 23 मई तक; दक्षिण-पश्चिम बिहार में 19 मई को; ओडिशा में 20 से 23 मई तक।
- ❖ 19 और 20 मई को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में रात में गर्म मौसम रहने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 19 से 23 मई के दौरान ओडिशा में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** 19 मई को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों, मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्रों, दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और श्रीलंका तट के पास; 20 मई को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी से सटे क्षेत्रों, मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्रों और दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और श्रीलंका तट के पास; 21 मई को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, मन्नार की खाड़ी, दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी से सटे क्षेत्रों और श्रीलंका तट के पास; 22 मई को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्रों, दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी से सटे क्षेत्रों और श्रीलंका तट के पास; 23 मई को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी से सटे क्षेत्रों; 19 से 23 मई के दौरान अंडमान सागर के ऊपर।
- ❖ **अरब सागर:** 19 और 20 मई को केरल और कर्नाटक के तटों के साथ-साथ, लक्षद्वीप क्षेत्र, मालदीव से सटे क्षेत्रों और कोमोरिन द्वीप समूह के क्षेत्रों में; 19 से 24 मई के दौरान सोमालिया के तटों के साथ-साथ और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कई हिस्सों में; और 21 मई को मालदीव और कोमोरिन द्वीप समूह के क्षेत्रों में।

ल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 19 से 22 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: नेय्यूर एडब्ल्यूएस, (जिला कन्याकुमारी) 16, नालुमुक्कु (जिला तिरुनेलवेली) 10; कोलाचेल (जिला कन्याकुमारी), ओथु (जिला तिरुनेलवेली), मम्बझाथुरैयारु (जिला कन्याकुमारी), अनाइकेडांकु (जिला कन्याकुमारी), कक्काची (जिला तिरुनेलवेली) 9 प्रत्येक; एरानिएल (जिला कन्याकुमारी) 8; मंजोलाई (जिला तिरुनेलवेली) 7; थुकले (जिला कन्याकुमारी), सुरलाकोड (जिला कन्याकुमारी), पेरुंचनी बांध (जिला कन्याकुमारी), पुथन बांध (जिला कन्याकुमारी), अदयामादाई (जिला कन्याकुमारी) 6 प्रत्येक;
- ❖ लक्षद्वीप: कदमत 9;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: लॉगडिंग 9;
- ❖ ओडिशा: सिमिलिगुडा (जिला कोरापुट) 7

तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में) (कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक):

- ❖ बिहार: सिमडेगा 81;
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल: कल्याणी 72; हरिंघाटा 61; बिजपुर 56; कालना और हुगली 41-41;
- ❖ झारखंड: मयूरभंज 56;
- ❖ तमिलनाडु: वेदसंदुर (डिंडीगुल) 52, वासु नमक्कल 50, तिरुप्पुर_कलेक्टर_कार्यालय (तिरुप्पुर) 44, एमएसआरएफ_कन्निवडी (डिंडीगुल) 41, तिरुचेंदूर (थूथुकुडी) 48, कोविलपति (थूथुकुडी) 48 और गवर्नमेंट_एचएसएस_मेत्तूर (सलेम) 39;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 49;
- ❖ हरियाणा: हिसार 46, जिंद 41, सिरसा 39;
- ❖ असम: जेडआरएस शिलांगनी 44;
- ❖ पंजाब: भटिंडा 41, फरीदकोट 39;
- ❖ पश्चिम उत्तर प्रदेश: जीबी नगर 41, जालौन, आगरा और बरेली 39 प्रत्येक, हिंडन 37;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: रीवा 41;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: राजगुरुनगर (पुणे) 41, कलवान (नासिक) 41, सांगली 35

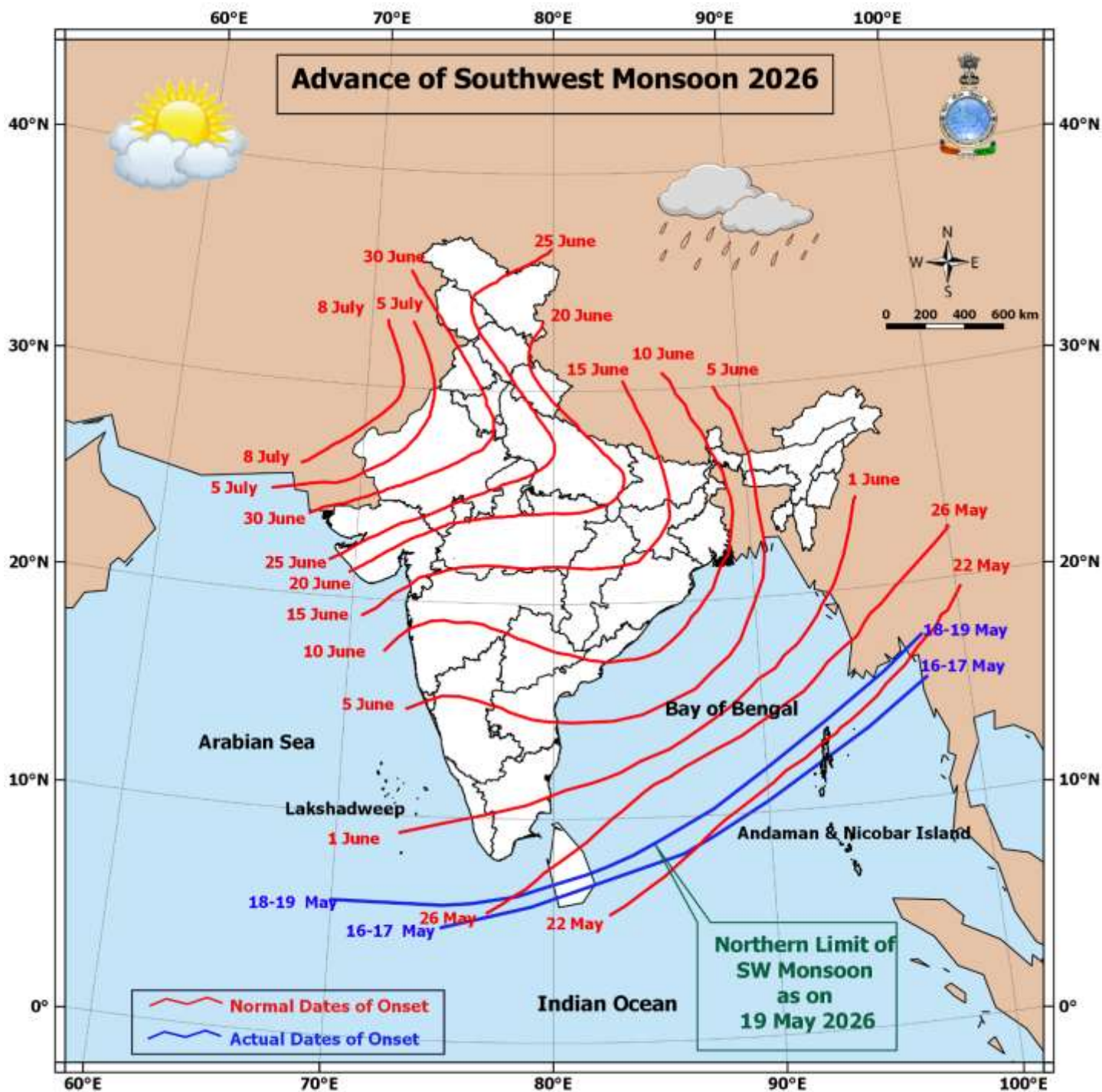
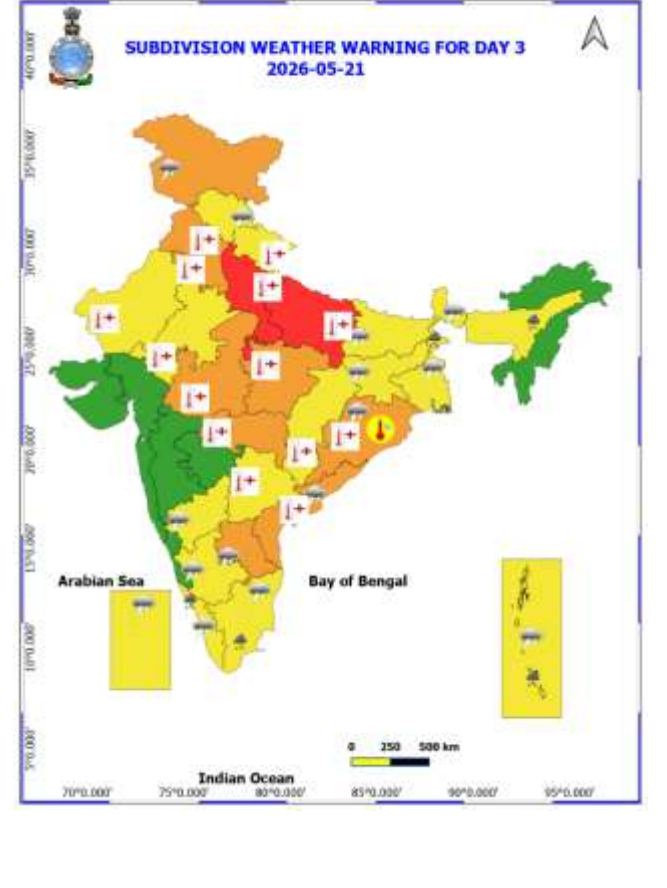
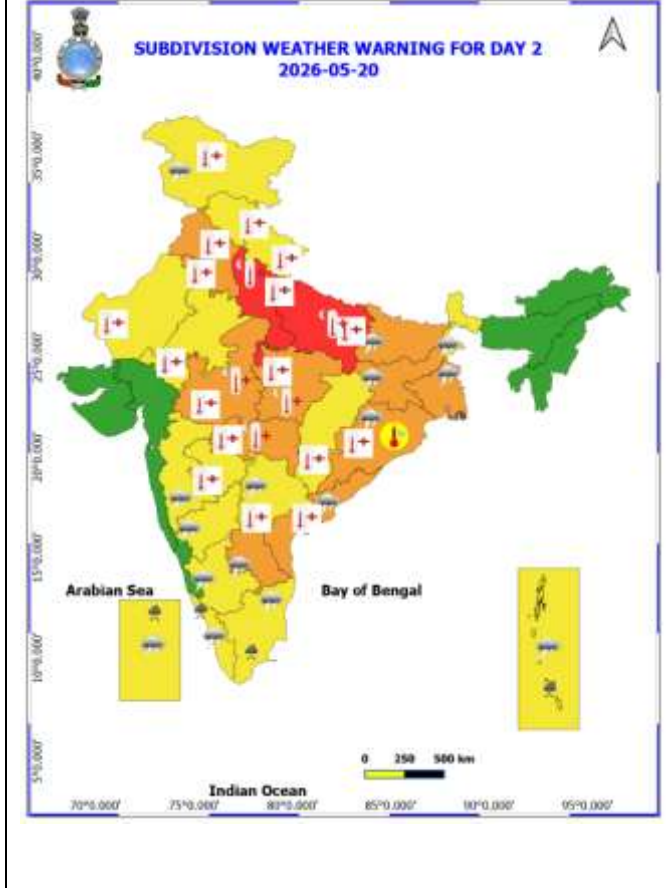
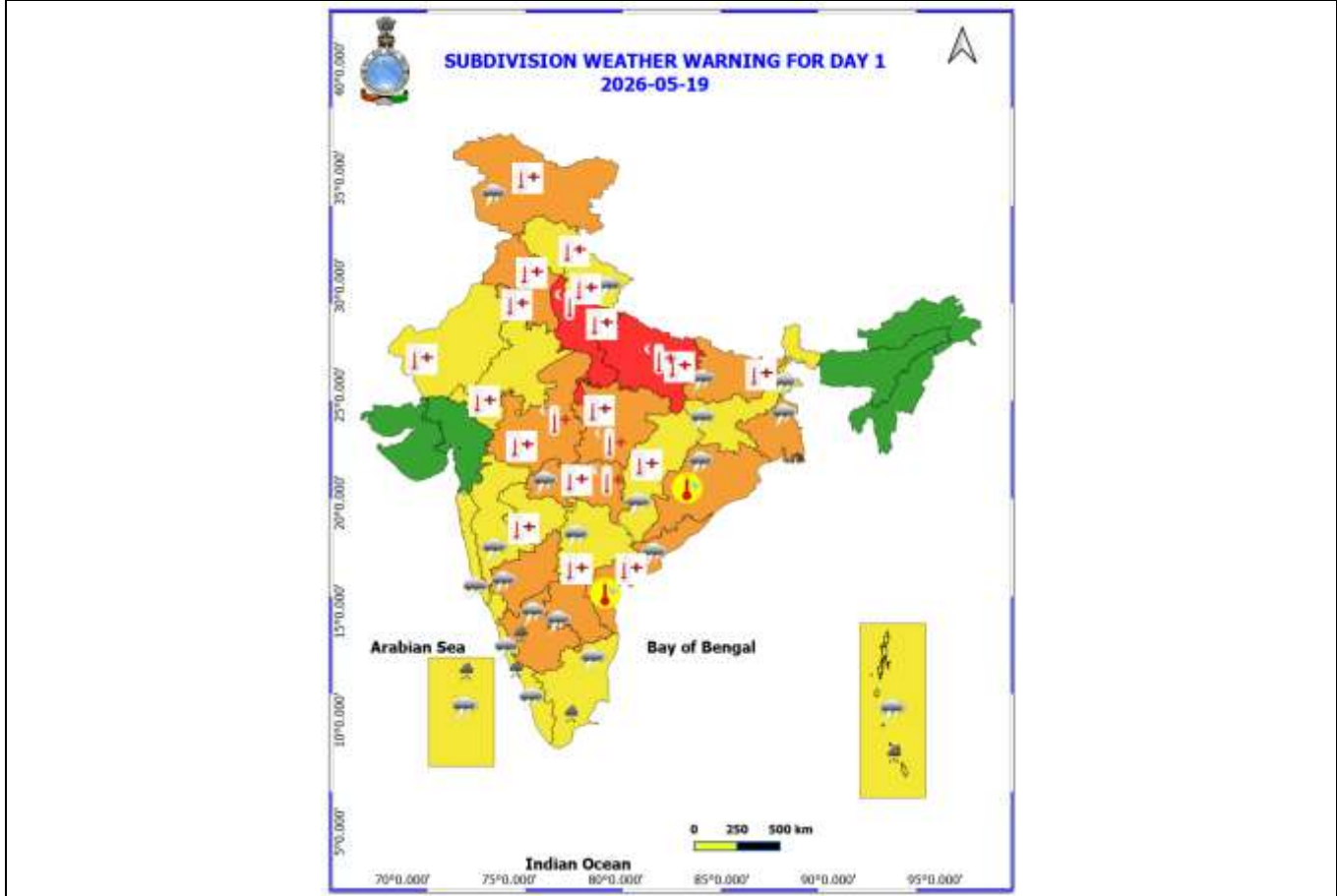
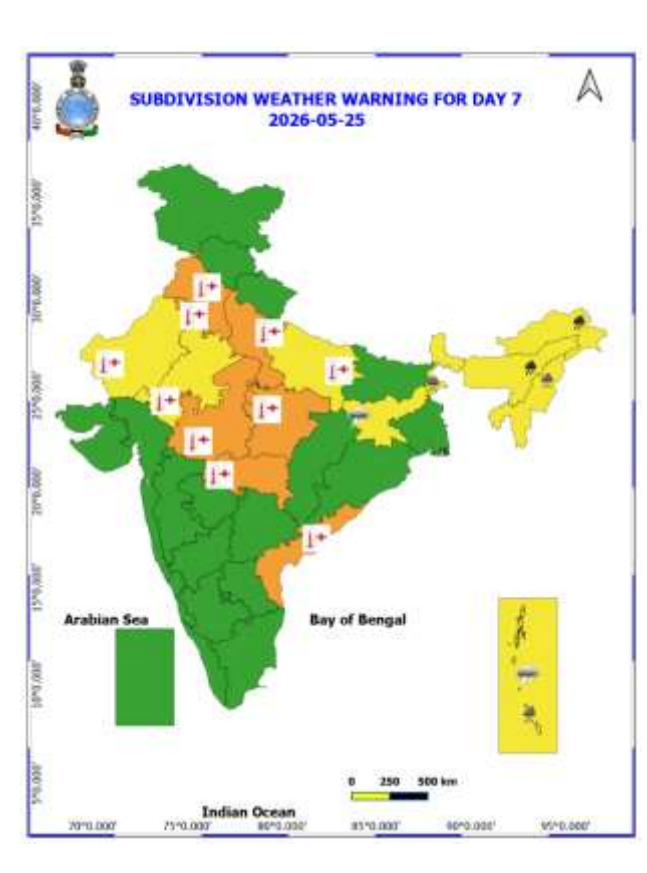
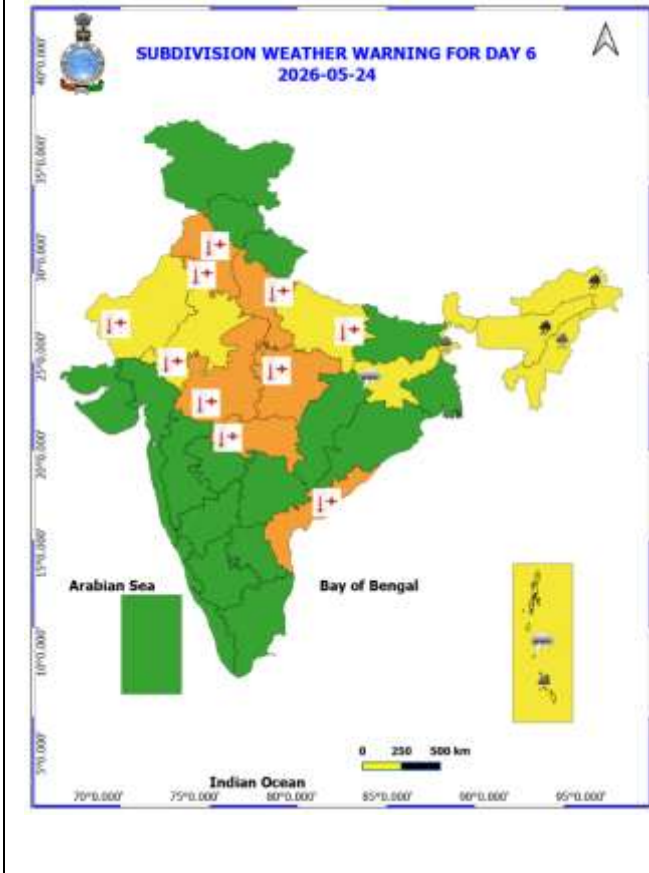
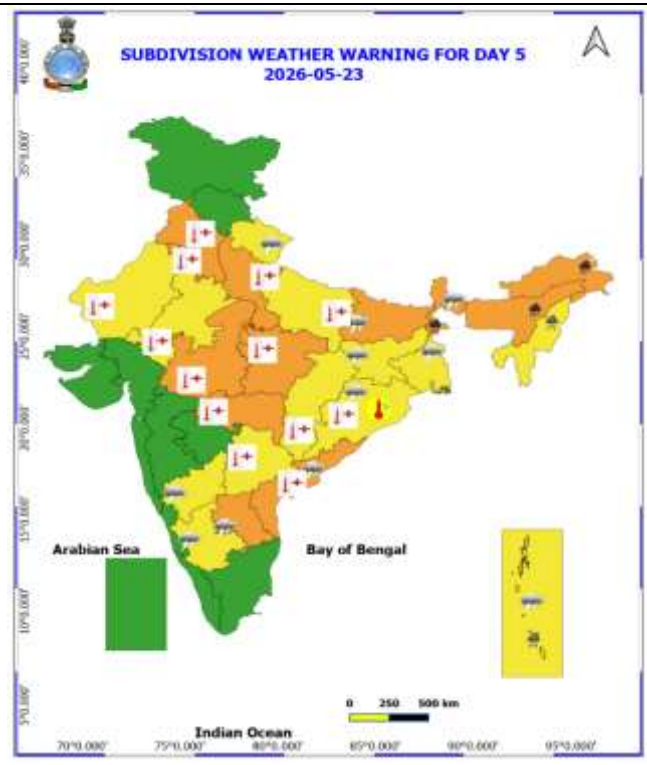
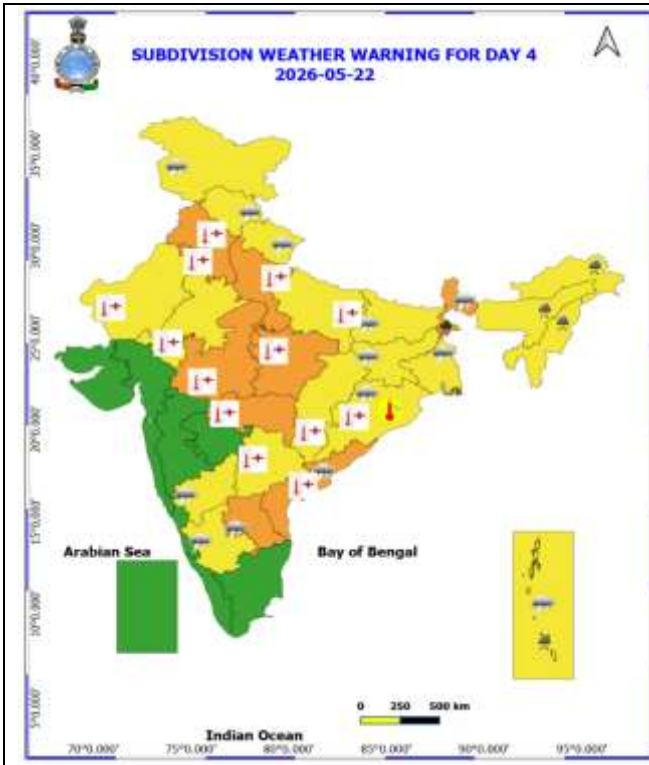


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	19- May	20- May	21- May	22- May	23- May	24- May	25- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	W	W	W	W	W	W	W
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	W	W	W
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	SCT	FWS	W	W	W
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	W	W
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	FWS	W	W	W	W	W
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	W	W	W	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	W	W	W	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

19 मई से 22 मई 2026 तक दिल्ली/एनसीआर का मौसम पूर्वानुमान

पिछले मौसम का पूर्वानुमान:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 43-45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। दिल्ली में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) और शेष स्थानों पर सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) रहा। अधिकतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) और शेष स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली सतही हवा की गति 25 किमी प्रति घंटा तक और झोंके 46 किमी प्रति घंटा तक रही, जिससे आसमान मुख्य रूप से साफ रहा। आज दोपहर के समय क्षेत्र में पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 22 किमी प्रति घंटे तक की सतही हवा चलने की संभावना है और आसमान मुख्यतः साफ रहेगा।

मौसम पूर्वानुमान:

19.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कई स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान 15-25 किमी प्रति घंटे की रफतार से तेज सतही हवाएं चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 44°C से 46°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली सतही हवा की गति 20 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। शाम और रात के दौरान भी पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति 20 किमी प्रति घंटे तक ही रहेगी।

20.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कई स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय भी पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा तक ही रहेगी। शाम और रात के समय भी पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा तक ही रहेगी।

21.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 22 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति घटकर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

22.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा

से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 22 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति घटकर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: लू चलने की आशंका है; हालांकि, तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इससे स्वास्थ्य संबंधी मध्यम जोखिम हो सकते हैं, विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों जैसे संवेदनशील समूहों के लिए।
- सलाह: लंबे समय तक धूप में रहने से बचें। हल्के, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

छिटपुट गरज के साथ बिजली गिरने और तेज हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 19 और 21 मई को; आंतरिक कर्नाटक में 19 मई को; तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 19 से 23 मई के दौरान; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 19 और 20 मई को; बिहार में 19, 20 और 23 मई को; झारखंड में 20 और 23 मई को; ओडिशा में 19 से 21 मई के दौरान गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, 70 किमी प्रति घंटा तक) की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- ❖ पेड़ों की शाखाएं टूटना, सड़क किनारे लगे बड़े पेड़ उखड़ना। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिरना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से गंभीर नुकसान।
- ❖ शाखाओं के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से गंभीर नुकसान।
- ❖ तेज हवा/ओले पड़ने से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज हवाओं के कारण कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाएं।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- ❖ तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 19 से 21 मई के दौरान तमिलनाडु, केरल और माहे में, 19 और 20 मई को लक्षद्वीप में, 19 मई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, 19 से 25 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 21 से 25 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय में, 22 से 25 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, और 22 और 23 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 23 और 24 मई को अरुणाचल प्रदेश में, और 23 से 25 मई के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट अत्यंत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

रेड अलर्ट क्षेत्र (उत्तर प्रदेश)

- सभी आयु वर्ग के लोगों में लू लगने और हीट स्ट्रोक होने की अत्यधिक संभावना है।
- संवेदनशील लोगों के लिए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई भाग)

- ❖ लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और लू लगने के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- ❖ संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।
- ❖ येलो अलर्ट क्षेत्र (उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ भाग)
- ❖ मध्यम तापमान और गर्मी आम जनता के लिए सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें।
- ❖ हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- ❖ अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- **केरलम** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **लक्षद्वीप**, सिंचाई, अंतरसांस्कृतिक संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित करें। जलभराव को रोकने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **जम्मू और कश्मीर** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें; फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **उत्तराखंड में:** सूरजमुखी, चारा मक्का, टमाटर, बैंगन आदि में सिंचाई प्रदान करें।
- **पंजाब** में सब्जियों, मूंग के बागों और प्याज की नर्सरियों में हल्की और नियमित सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ** में, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों को आवश्यकतानुसार सिंचाई दें; सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मल्लिचंग का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- **बिहार** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।

- **ओडिशा में** - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **तेलंगाना में** - आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।
- **आंध्र प्रदेश - रायलसीमा में** - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियों और फलों के बगीचों जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई प्रदान करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तटीय राज्यों (विशेषकर तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप) के मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

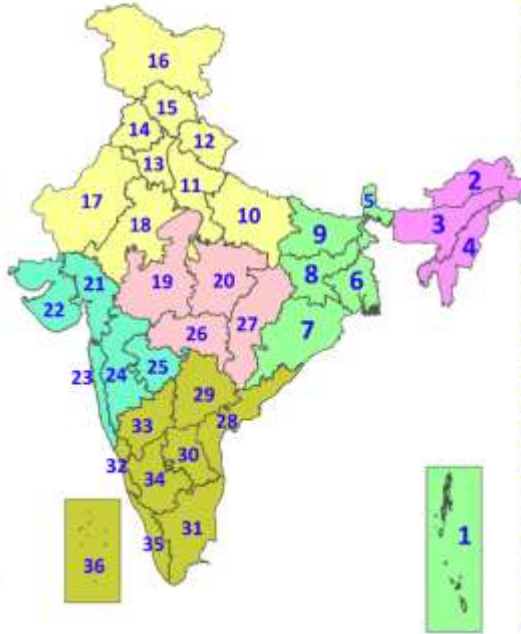
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	<p>Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *</p> <p>Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *</p> <p>Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *</p>
Heat Wave	<p>When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions</p> <p>(a) Based on Departure from normal</p> <p>Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C.</p> <p>Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$</p> <p>(b). Based on Actual maximum temperature</p> <p>Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.</p> <p>Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$</p> <p>(c). Criteria for heat wave for coastal stations</p> <p>When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$</p>
Warm Night	<p>When maximum temperature remains 40°C</p> <p>Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C.</p> <p>Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.</p>
Cold Wave	<p>When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.</p> <p>(a). Based on departure</p> <p>Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C.</p> <p>Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$</p> <p>(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)</p> <p>Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$</p> <p>Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$</p> <p>(c) For Coastal Stations</p> <p>When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$</p>
Cold Day	<p>When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions</p> <p>Based on departure</p> <p>Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C.</p> <p>Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$</p>
Fog	<p>Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$</p> <p>Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres</p> <p>Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres</p> <p>Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres</p>
Thunderstorm	<p>Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)</p>
Dust/Sand Storm	<p>An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.</p>
Frost	<p>Ice deposits on ground</p> <p>Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)</p>
Squall	<p>A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.</p> <p>Moderate: Wind speed 52-61 kmph</p> <p>Severe: Wind speed 62-67 kmph</p> <p>Very Severe: Wind speed > 67 kmph</p>
Sea State	<p>Effect of various waves in the sea over specific area</p> <p>Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre</p> <p>High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre</p> <p>Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre</p>
Cyclone	<p>Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)</p> <p>Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)</p> <p>Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)</p> <p>Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)</p> <p>Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)</p>

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)